खाटू वाले की आदत | By Varun Chhabra (Kavie)

आदत पड़ गई है मुझे आदत पड़ गई है
तेरे नाम की मुझको
आदत पड़ गई है मुझे आदत पड़ गई है

तेरे नाम की मुझको जबसे मस्ती चढ़ गई है
मेरे दिल को खाटूवाले की अब आदत पड़ गई है

कैसे तुझे भुला दू तू मेरे रोम रोम के अंदर है
तेरा मेरा इस दुनिया में एक अनोखा बंधन है
जादू तेरा चढ़ गया सारी चिंता उतर गई है
मेरे दिल को खाटूवाले की अब आदत पड़ गई है

खाटूवाले की महिमा ये कण कण सारा गाता है
तेरे नाम का कीर्तन बाबा सबका दिल लुभाता है
कलयुग में तेरी महिमा और भी बढ़ गई है
मेरे दिल को खाटूवाले की अब आदत पड़ गई है

जब भी मुझको पड़ी ज़रूरत तुम आये हर बार
तू ही मेरा यार सांवरे तू मेरा दिलदार
मुक्की देखवाल की खाली झोली भर गई है
मेरे दिल को खाटूवाले की अब आदत पड़ गई है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%a6%e0%a4%a4-by-varun-chhabra-kavie/